पीपीपी में निजी क्षेत्र की दिलचस्पी बढ़ी

भारत को वैश्विक फैसलों में सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत—वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर. भारत सरकार के बढ़ते पूंजीगत व्यय और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच, अब निजी क्षेत्र भी देश के बुनियादी ढाँचे के विकास में भागीदारी के लिए आगे आ रहा है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में इस बात पर जोर दिया कि सरकार बीते पांच वर्षों से लगातार सार्वजनिक पूंजी निवेश में वृद्धि कर रही है और अब निजी-सरकारी भागीदारी परियोजनाओं में भी निजी क्षेत्र की दिलचस्पी स्पष्ट तौर पर बढ़ी है.

सीतारमण ने दुनिया को बदलती व्यवस्था में भारत के नेतृत्व की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संकट काल अक्सर बदलाव और नवाचार का अवसर लेकर आता है. भारत को इस समय केवल अपनी रक्षा नहीं, बल्कि वैश्विक सहयोग के लिए भी आगे आना चाहिए. तीन दिवसीय इस सम्मेलन में देश-विदेश के शीर्ष अर्थशास्त्री, नीति निर्माता और वैश्विक संगठनों के प्रतिनिधि गहन वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में समृद्धि विषय पर विचार-विमर्श कर रहे हैं.

उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत आत्मनिर्भर होकर उभर रहा है. वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आ रहे व्यवधान, बढ़ते प्रतिबंध और आर्थिक विभाजन के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था लचीली और आत्मनिर्भर बनी हुई है. वित्त मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है जब विकासशील देशों को केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनना होगा.

उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत न केवल अनिश्चितताओं से जूझ रहा है, बल्कि उन्हें अवसरों में बदलने की दिशा में अग्रसर है. उन्होंने यह भी बताया कि सरकार न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि राज्यों को भी पूंजीगत व्यय के लिए सहयोग कर रही है ताकि देश के हर हिस्से में निवेश को बढ़ावा मिले. सम्मेलन में उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की आर्थिक रणनीति अब केवल संख्या आधारित लक्ष्य तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की भूमिका को मजबूत करना है.

एसीसी का 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर 2,516 .30

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर. अडानी समूह की सीमेंट इकाई एसीसी लिमिटेड को आयकर विभाग ने दो अलग-अलग मामलों में कुल 23.07 करोड़ का जुर्माना ठोका है.

विभाग ने यह कार्रवाई आकलन वर्ष 2015-16 और 2018-19 के लिए आय का कथित रूप से गलत विवरण और कम आय दिखाने के मामलों में की है. 2015-16 के लिए 14.22 करोड़ और 2018-19 के लिए 8.85 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है. हालांकि, कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह इन आदेशों के खिलाफ आयकर आयुक्त के समक्ष नियत समय में अपील दायर करेगी, और जुर्माने पर रोक की भी मांग करेगी. एसीसी लिमिटेड, अंबुजा सीमेंट्स की सब्सिडियरी है, जिसमें अंबुजा की 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है.

ऑनलाइन गेमिंग नियंत्रण हेतु नए नियम तैयार

ई-स्पोर्ट्स, सोशल और मनी गेम्स की श्रेणीकरण व्यवस्था

शिकायत निवारण के लिए तीन स्तरीय तंत्र अनिवार्य

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर. देश में ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ऑनलाइन गेमिंग नियमन अधिनियम, 2025 के तहत ऑनलाइन गेमिंग नियम, 2025 का मसौदा अधिसूचित कर दिया है.

इन नियमों का उद्देश्य ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करना, ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स को बढ़ावा देना और एक संरचित शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से उपयोगकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है.

ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया- मसौदा नियमों में ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया नामक एक वैधानिक निकाय स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिसका मुख्यालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होगा. अथॉरिटी का मुख्य कार्य यह निर्धारित करना होगा कि कोई ऑनलाइन गेम ई-स्पोर्ट, ऑनलाइन सोशल गेम या ऑनलाइन मनी गेम की श्रेणी में आता है या नहीं.

नोडल मंत्रालयों की जिम्मेदारी

नियमन के लिए विभिन्न मंत्रालयों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं-

MeitY- संपूर्ण नियमन के लिए नोडल मंत्रालय के रूप में कार्य करेगा.

युवा मामले और खेल मंत्रालय- ई-स्पोर्ट्स की मान्यता और संवर्धन की देखरेख करेगा.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय- ऑनलाइन सोशल गेम्स के संवर्धन के लिए जिम्मेदार होगा, साथ ही मनोरंजन, शैक्षिक या कौशल विकास जैसे उद्देश्यों के लिए ऑनलाइन सोशल गेम्स के वर्गीकरण हेतु आचार संहिता या दिशानिर्देश जारी कर सकता है .इन मसौदा नियमों को अंतिम रूप देने से पहले, जनता की टिप्पणियों और सुझावों के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है.

ट्राई ने डिजिटल रेडियो नीति की जारी

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर. दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने निजी रेडियो प्रसारकों के लिए डिजिटल रेडियो प्रसारण नीति पर अपनी सिफारिशें जारी कर दी हैं. इनमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे चार ए+ श्रेणी के शहरों तथा हैदराबाद, बेंगलुरु अहमदाबाद समेत नौ ए श्रेणी के शहरों में सेवाओं की शुरुआत के नियम, शर्तें और आरक्षित मूल्य तय किए गए हैं. ट्राई का मानना है कि इससे रेडियो उद्योग में डिजिटल बदलाव आएगा और श्रोताओं को बेहतर क्वालिटी मिलेगी.

ट्राई ने नई फ्रीक्वेंसी का आवंटन दूरसंचार अधिनियम, 2023 की धारा 4(4) के तहत नीलामी से करने की सिफारिश की है. नीलामी के बाद मौजूदा एफएम प्रसारकों को सिमुलकास्ट मोड में माइग्रेट करने का छह महीने का समय दिया जाए. माइग्रेशन करने वालों को नीलामी मूल्य और लाइसेंस की शेष अवधि के लिए आनुपातिक एनओटीईएफ के अंतर का भुगतान करना होगा.

प्राधिकरण शुल्क को एजीआर पर आधारित करने की सलाह दी गई है, जो दूरसंचार क्षेत्र की तरह होगा. एपीजीआर में केवल रेडियो प्रसारण से जुड़ा राजस्व शामिल होगा. जीएसटी काटकर एजीआर निकाला जाएगा. ए+, ए, बी, सी और डी शहरों में वार्षिक शुल्क एजीआर का 4 प्रतिशत होगा. अन्य और ई श्रेणी (सीमावर्ती, पहाड़ी, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, द्वीप) में पहले तीन साल 2 प्रतिशत, फिर 4 प्रतिशत.

रवीना और राशा थडानी ने किया अपना पहला संयुक्त ब्रांड डेब्यू

मुंबई, 03 अक्टूबर इस दिवाली, भारत के सबसे विश्वसनीय ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक रिलायंस ज्वेल्स ने अपने नए फेस्टिव कलेक्शन का शुभारंभ किया है, जो भारत के सबसे बड़े पर्व की जीवंत भावना को समर्पित एक चमकदार प्रस्तुति है. यह एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि ब्रांड पहली बार बॉलीवुड आइकन रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थडानी का स्वागत अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में कर रहा है.

मां-बेटी की यह जोड़ी विरासत और आधुनिकता का अनूठा संगम है, जो दर्शाती है कि भारतीय अपने आभूषणों से कैसे बदलते रिश्ते साझा करते हैं. रिलायंस ज्वेल्स के साथ उनका यह जुड़ाव इस तथ्य का उत्सव है कि आभूषण पीढ़ियों से परे जाते हैं—परिवार की धरोहरों को दिल से जोड़े रखते हुए साथ ही आज की जीवनशैली के लिए समकालीन डिज़ाइनों को अपनाते हैं. लॉन्च के अवसर पर गायत्री यादव, ग्रुप सीएमओ, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, ने कहा, हम भारतीयों का सोने के साथ हमेशा से एक गहरा भावनात्मक रिश्ता रहा है—यह हमारी परंपराओं, उपलब्धियों और पहचान का प्रतीक है. लेकिन समय के साथ शैलियाँ बदलती हैं और कई बार पुराने डिज़ाइन हमारी अभिव्यक्ति से मेल नहीं खाते. हमारा नया दिवाली कलेक्शन इस बदलाव का उत्सव है—जहां कालातीत परंपराओं और आधुनिक पसंद का खूबसूरत संगम है.

अपने अनुभव साझा करते हुए राशा थडानी ने कहा,"मेरा मानना है कि आभूषण हर अवसर पर आपकी पहचान को दर्शाने चाहिए . यह कलेक्शन मुझे अपनी व्यक्तिगतता व्यक्त करने का अवसर देता है और साथ ही त्योहार की भावना को अपनाता है . हर एक पीस मुझे अपने आप का हिस्सा लगता है—जो व्यक्तित्व, स्टाइल और फेस्टिव चार्म का खूबसूरत उत्सव है .

विकसित भारत के लिए पूंजीगत व्यय में और बढ़ोतरी जरूरी

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर. भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए केवल लक्ष्य तय करना ही काफी नहीं, बल्कि उसके लिए स्थायी और उच्च दर की आर्थिक वृद्धि भी आवश्यक है. यह बात शुक्रवार को चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में भारत के वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एन.के. सिंह ने कही. सिंह ने कहा कि भारत को अपने विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सालाना कम से कम 8त्न आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करनी होगी. इसके लिए पूंजीगत व्यय में लगातार बढ़ोतरी और नीतिगत सुधारों को राज्यों तक विस्तारित करना बेहद आवश्यक है.

इस दिवाली में 'स्वदेशी' की गूंज

हाथ से बनी वस्तुओं की प्रदर्शनी और महिला समूहों को प्रोत्साहन

छोटे निर्माताओं को मिलेगा बड़ा मंच, व्यापारी बनेंगे सहभागी

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर. इस साल दिवाली पर देशभर के बाजारों में स्वदेशी अपनाओ, विदेशी का बहिष्कार करो का नारा पहले से कहीं अधिक जोर पकड़ता नजर आ रहा है.

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को कहा कि इस दिवाली सीजन में देश का खुदरा व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है, और इसका प्रमुख कारण उपभोक्ताओं की स्वदेशी उत्पादों की ओर बढ़ती रुचि और जीएसटी दरों में हाल की कटौती है. खंडेलवाल ने संवाददाताओं से कहा, त्योहारों का मौसम अब पूरी तरह शुरू हो चुका है.

नवरात्रि से लेकर दिवाली तक का यह महीना कारोबार के लिए सबसे अहम होता है. प्रधानमंत्री मोदी के वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी को बढ़ावा देने की नीति को व्यापारियों और ग्राहकों दोनों ने खुले दिल से अपनाया है. उन्होंने बताया कि इस साल दिवाली व्यापार का अनुमानित आंकड़ा 24.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो बीते वर्षों से ज्यादा है. पिछले चार वर्षों में दिवाली सीजन में कारोबार लगातार बढ़ा है- 2021 में 21.25 लाख करोड़, 2022 में 22.50 लाख करोड़, 2023 में 23.75 लाख करोड़ और 2024 में 24.21 लाख करोड़ रहा.

उन्होंने कहा कि इस बार कैट महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को भी मंच देने जा रहा है, जिससे वे अपने स्वदेशी उत्पाद सीधे बाजार में ला सकें . हम अपने व्यापारियों से कह रहे हैं कि वे इन समूहों के उत्पाद खरीदें और उन्हें अपनी दुकानों में बेचें, खंडेलवाल ने कहा . राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दिए गए स्वदेशी के आह्वान का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और संघ दोनों की बातों को व्यावहारिक रूप से लागू करने का समय आ गया है .

जियो का एमपी-छत्तीसगढ़ में 2जी मुक्त अभियान

जियो भारत फोन अब केवल 699 रुपये से उपलब्ध

28 दिन के प्लान में 14 जीबी डेटा और अनलिमिटेड कॉलिंग

भोपाल, 03 अक्टूबर. रिलायंस जियो ने 2जी मुक्त भारत अभियान को आगे बढ़ाते हुए इस दिवाली मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के ग्राहकों को 2जी से 4जी पर अपग्रेड करने का बड़ा कदम उठाया है.

जियो भारत मोबाइल फोन अब बेहद किफायती दामों में उपलब्ध है, जिनकी कीमत केवल 699 रुपये से शुरू होती है. कंपनी का लक्ष्य दोनों राज्यों के एक करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं तक अपनी पहुँच बनाना है, जो अब भी 2जी नेटवर्क का उपयोग कर रहे हैं.

जियो केवल नवीनतम तकनीक पर काम कर डिजिटल इंडिया के रोडमैप को आगे बढ़ा रहा है.

सबसे सस्ता रिचार्ज और भरपूर डेटा- मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में जियो भारत ङ्क4 मॉडल को तेजी से पसंद किया जा रहा है क्योंकि इसका मासिक रिचार्ज सबसे सस्ता है. ग्राहकों को 28 दिन की वैधता वाले प्लान के लिए केवल 123 रुपये चुकाने होंगे, जिसमें 14 जीबी डेटा और अनलिमिटेड कॉलिंग शामिल है.

अन्य टेलीकॉम कंपनियों के प्लान की शुरुआत 199 रुपये से होती है, जिसमें केवल 2 जीबी डेटा मिलता है. इस तरह, जियो भारत का मासिक रिचार्ज लगभग 38 प्रतिशत सस्ता है.

विदेशी मुद्रा भंडार 2 .334 अरब डॉलर घटकर 700 .236 अरब डॉलर पर

मुंबई, 03 अक्टूबर (वार्ता) देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.334 अरब डॉलर घटकर 700.236 अरब डॉलर रह गया, हालांकि स्वर्ण भंडार लगातार पांचवें सप्ताह बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है. यह लगातार दूसरा सप्ताह है, जब विदेशी मुद्रा के देश के भंडार में गिरावट दर्ज की गयी है. इससे पहले, 19 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 39.6 करोड़ डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर रह गया था.

शेयर बाजार में दमदार वापसी

सेंसेक्स 81,000 पार और निफ्टी नई ऊंचाई पर

मुंबई, 03 अक्टूबर. हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स में 716 अंकों की जोरदार उछाल देखी गई थी. निफ्टी भी 225 अंक चढ़कर 24,836 पर बंद हुआ था. टाटा मोटर्स, कोटक बैंक, ट्रेंट, सनफार्मा और एक्सिस बैंक जैसे शेयरों में जबरदस्त तेजी आई थी.

सप्ताह का समापन मजबूती के साथ- सेंसेक्स 223 और निफ्टी 57 अंक चढ़े, मेटल और बैंकिंग सेक्टर चमके शेयर बाजार ने सप्ताह का समापन तेजी के साथ किया. शुक्रवार, 03 अक्टूबर को बीएसई सेंसेक्स में 223 अंकों की बढ़त दर्ज हुई और यह 81,207 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, एनएसई निफ्टी भी 57 अंक चढ़कर 24,894 पर बंद हुआ. सुबह की कमजोरी के बाद बाजार ने शानदार रिकवरी दिखाई. दिन के दौरान सेंसेक्स 600 अंक तक और निफ्टी 150 अंक तक नीचे गया था, लेकिन कारोबार के अंत तक दोनों सूचकांकों में मजबूती लौट आई.

आज के कारोबार में मेटल सेक्टर ने सबसे अधिक प्रदर्शन किया, जिसमें 2त्न तक की बढ़त रही.

समाचार विशेष

निकाय चुनाव से पहले महायुति में फूट?

शिंदे के बाद अजित ने भी दिखाए तेवर, क्या करेंगे फडणवीस

मुंबई. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यह तय हो गया है कि मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित राज्य के सभी निकायों के चुनाव 31 जनवरी 2026 से पहले हो जाएंगे. इसी पृष्ठभूमि में राज्य के सियासी दलों एवं गठबंधनों में तैयारी चल रही है.

सियासी दल बैठक कर रहे हैं और बैठकों में मुख्य नेता अपने सहयोगी नेताओं और पदाधिकारियों के साथ प्रभाव वाले चुनाव क्षेत्र, संभावित उम्मीदवार की समीक्षा कर रहे हैं तो वहीं गठबंधन में ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल करने के लिए महापौर पद पर दावा एवं अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी जैसी बयानबाजी भी कर रहे हैं.

ऐसा ही कुछ राज्य की सत्तारूढ़ महायुति में देखने को मिल रहा है.

महाराष्ट्र में जिला परिषद, नगर परिषद, पंचायत समिति और महानगर पालिका के चुनावों की घोषणा नवंबर में होने की संभावना है. इसमें बीएमसी सहित राज्य के सभी नगरपालिका चुनाव जनवरी के अंत तक होने की उम्मीद है. इसी पार्श्वभूमि में उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को अपनी पार्टी के प्रमुख नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ चुनाव पर मंथन किया. बैठक में शिंदे ने सम्मानजनक सीट बंटवारा तथा जहां जिसकी जीत संभव या प्रभाव वहां उसका उम्मीदवार वाला फार्मूला अपनाते हुए सीटों के बंटवारे का सुझाव दिया. सूत्रों का ऐसा भी दावा है कि डीसीएम शिंदे ने बैठक में मुंबई और ठाणे में अपने दम पर चुनाव लड़ने पर भी मंथन किया.

अजीत की राकां में भी हुआ मंथन- डीसीएम शिंदे की शिवसेना की तर्ज पर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की राकां में भी निकाय चुनाव पर मंथन के लिए बैठकों का दौर चल रहा है. अजीत पवार की राकां में पुणे सहित अपने प्रभाव वाली कुछ अन्य मनपाओं में अपने दम पर चुनाव लड़ने की आम राय जोर पकड़ रही है.

अजीत ने भी दिए थे संकेत

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने हाल ही में पिंपरी चिंचवड़ में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि स्थानीय स्वायत्त संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ना चाहिए . उन्होंने कहा था कि हर पार्टी को आगे बढ़ने का अधिकार है . पहले जब हम विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में थे तब भी हम निकाय चुनाव स्वतंत्र ही लड़े थे . इसमें बाद में जरूरत पड़ने पर हम साथ सकते हैं . अपने स्तर पर अपनी ताकत बढ़ाने का अधिकार सभी को है . सभी लोग अपने-अपने तरीके से अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश कर रहा है . जहां संभव हो, वहां गठबंधन किया जाएगा, लेकिन जहां संभव न है, वहां स्वतंत्र रूप से लड़ने के लिए तैयार रहें .

अशोक चौधरी ने चल दिया असली दांव!

खेल दिया ऐसा कार्ड कि फूल जाएंगे प्रशांत किशोर के हाथ-पांव

पटना. जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर के निशाने पर आए जनता दल यूनाइटेड के मंत्री अशोक चौधरी ने बिना किसी का नाम लिए कहा है कि लोग अब भी दलितों का हेलीकॉप्टर में चढ़ना पसंद नहीं करते.

उन्होंने कहा कि सिर्फ दो दिन हेलीकॉप्टर में उड़ान भरकर ही उन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया.

गौरतलब है कि प्रशांत किशोर ने अशोक चौधरी पर अपनी सांसद बेटी शांभवी चौधरी के लिए कई किश्तों में लोकसभा चुनाव का टिकट खरीदने और 200 से 500 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है. इस मुद्दे ने बिहार में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है.

हेलीकॉप्टर पर चढ़ना पसंद नही

चौधरी ने जवाब दिया, लोग इसे पचा नहीं पा रहे हैं . देश बदल गया है, दुनिया बदल गई है, लेकिन विचारधारा नहीं बदली है . अशोक चौधरी दो दिन हेलीकॉप्टर पर क्या चढ़े वे चर्चित हो गए . लोग अब भी किसी दलित का हेलीकॉप्टर चलाना पसंद नहीं करते . उन्होंने कहा कि अगर वे लंबे समय तक राजनीति में बने रहे और देश भर में दोस्त बनाए, तो उन्हें दो दिन नहीं, बल्कि एक महीने के लिए मुफ्त में हेलीकॉप्टर मिलेगा . इसमें क्या बड़ी बात है? विधानसभा चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर अशोक चौधरी ने कहा कि उन्हें भागदौड़ पसंद है . उन्होंने कहा, अगर मुझे आदेश मिले, तो मैं क्यों नहीं लड़ूंगा? मैं हमेशा चुनाव लड़ता रहा हूं .

प्रियंका की नाराजगी जिला अध्यक्ष पर भारी पड़ी

वायनाड. प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनाव क्षेत्र वायनाड के जिला अध्यक्ष एनडी अप्पचन को हटा दिया गया है. बताया जा रहा है कि प्रियंका उनसे नाराज थीं और इस वजह से उनसे इस्तीफा ले लिया गया है.

गौरतलब है कि पिछले दिनों प्रियंका 12 दिन तक अपने चुनाव क्षेत्र में रही थीं. इस दौरान सोनिया गांधी भी वायनाड गई थीं लेकिन वह उनकी निजी यात्रा थी. अप्पचन पहले विधायक रहे हैं. उन्होंने इस्तीफा देने के बाद कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सन्नी जोसेफ को सब पता है. बताया जा रहा है कि प्रियंका की यात्रा के दौरान एक के बाद एक कई विवाद हुए, जिसका खामियाजा जिला अध्यक्ष को भुगतना पड़ा.

जैसे प्रियंका गांधी वाड्रा की यात्रा शुरू होने के एक दिन बाद 12 सितंबर को जिला कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष एनएम विजयन की बेटी ने आत्महत्या करने का प्रयास किया. उसने कांग्रेस की ओर से आर्थिक मदद नहीं दिए जाने के लिए उसकी आलोचना करते हुए खुदकुशी का प्रयास किया. गौरतलब है कि विजयन और उनके बेटे जीतेश ने पिछले साल खुदकुशी कर ली थी. वे 2019 में पार्टी के नियंत्रण वाले कोऑपरेटिव बैंक में हुए घोटाले से जुड़े थे.

इसी तरह प्रियंका की यात्रा से एक दिन पहले वायनाड के एक पंचायत में पार्टी के एक स्थानीय नेता ने खुदकुशी कर ली थी. इस पूरे विवाद की छाया प्रियंका की यात्रा पर रही. हालांकि जिला अध्यक्ष सीधे तौर पर इनमें किसी विवाद से नहीं जुड़े थे. यह भी ध्यान रखने की बात है कि पहले राहुल गांधी सांसद थे और अब प्रियंका हैं फिर भी पार्टी के कार्यकर्ताओं की बात नहीं सुनी जा रही है तो दोष सिर्फ जिला अध्यक्ष का कैसे होगा!

विशेष | **खुद के घर से बेघर हुई भाजपा**

सेफ सीट पर ही हो गया खेल; अब चुनाव में क्या होगा?

जमुई. सियासत में स्थायी कुछ नहीं होता. पलभर में समीकरण बदल जाते हैं. बिहार की राजनीति में जमुई जिले की चकाई विधानसभा सीट इसकी जिंदा मिसाल है. जो सीट कभी भाजपा का गढ़ कहा जाता था, आज वहां पार्टी बेघर सी हो गई है. चकाई की राजनीति लंबे समय तक फाल्गुनी प्रसाद यादव और नरेंद्र सिंह जैसे कद्दावर नेताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही.

खासकर फाल्गुनी यादव ने भाजपा को इस इलाके में पहचान दिलाई. 1980, 1995 और 2005 में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के रूप में शानदार जीत हासिल की और चकाई को भाजपा की सेफ सीट बना दिया, लेकिन उनके निधन के बाद हालात बदलते चले गए. भाजपा ऐसा स्थानीय चेहरा नहीं ढूंढ सकी, जिस पर जनता भरोसा कर सके. परिणाम यह हुआ कि 2010 के बाद से पार्टी की पकड़ ढीली होती गई और सत्ता की बागडोर कभी जेएमएम, कभी राजद तो कभी निर्दलीय के हाथ में जाती रही.

अब क्या है स्थिति?- आज की स्थिति यह है कि भाजपा जिस सीट को कभी अपनी ताकत का गढ़ मानती थी, वहां उसकी पकड़ नाम मात्र की रह गई है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर भाजपा ने जल्द ही मजबूत स्थानीय नेतृत्व खड़ा कर जातीय समीकरणों को साधने की रणनीति नहीं बनाई, तो चकाई में वापसी आसान नहीं होगी.

भाजपा का उत्थान और पतन- 1980 में पहली बार फाल्गुनी यादव ने भाजपा को चकाई से जिताया. 1995 और 2005 में भी जीत हासिल कर भाजपा की पहचान मजबूत की. तीन जीत के बाद चकाई भाजपा की 'सेफ सीट' कही जाने लगी. 2005 के बाद भाजपा कोई प्रभावी स्थानीय चेहरा नहीं दे सकी. 2010 में जेएमएम, 2015 में राजद और 2020 में निर्दलीय उम्मीदवार की जीत और भाजपा हाशिए पर चली गई.

बदलते समीकरणों का इतिहास

1969-1972: सोशलिस्ट और कांग्रेस का वर्चस्व.

1980, 1995 और 2005: फाल्गुनी यादव के दौर में भाजपा का स्वर्णकाल.

2005 के बाद: भाजपा का पतन और अन्य दलों का उदय.

2010-2020: जेएमएम, राजद और निर्दलीय का दबदबा.